Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MS-CT-201

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May–June-2023

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : द्वितीय
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : प्रथम
वेदाङ्ग एवं उपनिषद्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. कठोपनिषदि वर्णितस्य तृतीय वरस्य सविस्तारं वर्णनं कुरुत।
2. निरुक्तस्य विषयप्रयोजने अधिकृत्य प्रबन्धमेकं लिखत।
3. कठोपनिषदः पंचमन्त्रान् लिखित्वा यथा संदर्भं वर्णयन्तु।
4. मानवजीवने उपनिषदः अध्ययनस्य महत्वं विचारयत।
5. अग्निविद्यांम् अधिकृत्य यमनचिकेतसोः संवादं वर्णयत।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. परमात्मनः स्वरूपं कठोपनिषदनुसारं लिखत।
7. मन्त्रार्थं लिखत- नैषा तर्केण मतिरापनेया प्रोक्तान्येनैव सुज्ञनाय प्रेष्ठ।

   यां त्वमापः सत्यधृतिर्बतासि त्वादृङ् नो भूयान्नचिकेतः प्रष्टा।।
8. निरुक्तानुसारं पंचशब्दानां व्युत्पत्तिं अर्थं च लिखत।
9. नचिकेतसः श्रद्धां वर्णयत।
10. मन्त्रं वर्णयत - विज्ञानसारथिर्यस्तु मनः प्रग्रहवान् नरः।

    सोऽध्वनः पारमाप्नोति तद्विष्णोः परमं पदम्।।
11. वेदाङ्गानां महत्वं निरुपयत।
12. 'यमेवैष वृणुते तेन लभ्यः' ससंदर्भं व्याख्यात।

----------x----------